आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 31 (प्रति रविवार) इंदौर, 21 अप्रैल से 27 अप्रैल 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

राजस्थान के जालोर में प्रधानमंत्री ने कहा

कांग्रेस ने देश को खोखला किया

देश का युवा दोबारा इस पार्टी का मुंह नहीं देखना चाहता

जालोर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिस पार्टी ने कभी 400 सीटें जीती थीं, आज वो 300 सीट पर चुनाव नहीं लड़ पा रही है। आज कांग्रेस की हालत ये है कि उन्हें उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। इन्होंने अवसरवादी इंडी अलायंस बना लिया है। उसकी पतंग उडऩे से पहले कट गई है। कहने को तो गठबंधन है, लेकिन अब हालत देखिए। कई राज्य हैं, जहां ये गठबंधन वाले ही आपस में लड़ रहे हैं। कांग्रेस के इतने हाल खराब है भाइयों। अब देखिए कांग्रेस ने देश पर 60 साल तक राज किया। इसी कांग्रेस ने हमारी माताओं-बहनों को शौचालय, गैस,बिजली-पानी, बैंक अकाउंट ऐसी छोटी-छोटी चीजों के लिए तरसाया। इसी कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया और उनके इन्हीं पापों की सजा देश कांग्रेस को दे रहा है। मोदी भीनमाल (जालोर) में 72 जिनालय के सामने स्थित ग्राउंड पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

पीएम ने कहा कि देश का युवा इतने गुस्से में है वो दोबारा कांग्रेस का मुंह नहीं देखना चाहता। उन्होंने कहा कि अस्थिरता की प्रतीक कांग्रेस पार्टी और उनका कुनबा देश को चला सकता है क्या। आज कांग्रेस की जो हालत हुई है, उसकी गुनहगार वो खुद है। देखिए आपके यहां से राज्यसभा में कांग्रेस के एक नेता दक्षिण के हैं, उन्हें भेजा। कभी उन्होंने एक भी बार राजस्थान की बात कही है। आपने उदारता पूर्वक भूतपूर्व पीएम मनमोहन सिंह को सम्मान में राजस्थान से राज्यसभा में भेजा। वो काफी समय बीमार रहे। क्या कभी राजस्थान में आपने उन्हें फिर से भेजा। अब उनके एक और नेता को बचाने की कोशिश की राजस्थान वालों ने। जो लोग चुनाव नहीं लड़ सकते, चुनाव जीत नहीं सकते, मैदान छोड़ कर इस बार राजस्थान से राज्यसभा में आए हैं। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा के चुनाव में देश में पच्चीस प्रतिशत सीटें ऐसी हैं, जहां ये गठबंधन के लोग एक-दूसरे को मारने-काटने में लगे हैं। एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। अगर जिसमें चुनाव के पहले इतनी लड़ाई चल रही है तो चुनाव के बाद लूट के लिए कितनी ज्यादा लड़ाई लड़ेंगे, इसकी कल्पना कर सकते हैं। क्या ऐसे लोगों को इतना बड़ा देश सुपुर्द कर सकते हैं क्या।

मैं भी आप ही की तरह सामान्य परिवार से आया हूं-मैं भी आप ही की तरह सामान्य परिवार से आया हूं। मैंने भी परिवार में देखा न बिजली होती थी न पानी होता था।

खड़गे ने सतना में कहा

महंगाई और बेरोजगारी से सिर्फ मोदी खुश,गरीब मर रहे हैं

बोले-राहुल गांधी को फूड पॉइजनिंग

सतना (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मैं कई जगह घूमा। जहां भी गया, वहां लोगों के प्रमुख मुद्दे महंगाई-बेरोजगारी हैं। महंगाई गरीबों की कमर तोड़ रही है। जान ले रही है। कोई खुश नहीं है। एक ही आदमी मोदी खुश है। लोग गरीबी में रहें, उनको खाना न मिले, उनकी आमदनी न बढ़े, यही मोदी का मेन मकसद है। उनका स्लोगन है- सबका साथ, सबका विकास, बाकी लोगों को सत्यानाश।

खड़गे कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी का दौरा कैंसिल होने के बाद सतना में सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। बीटीआई मैदान में उन्होंने कहा, मैं माफी चाहता हूं कि राहुल नहीं आ सके। उन्हें फूड पॉइजनिंग हुई है। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे सतना जाना था। अब अगर इसकी भरपाई कोई कर सकता है तो आप ही कर सकते हैं। पूर्व में तय कार्यक्रम के मुताबिक, सतना में राहुल कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी सिद्धार्थ कुशवाहा डब्बू के समर्थन में आम सभा लेने वाले थे। सतना में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे।

नेहरू ने साइंस एंड टेक्नोलॉजी को बढ़ावा दिया- पं. जवाहरलाल नेहरू ने 16-17 साल हुकूमत की। उनकी पंचवर्षीय योजना में आपको सब काम दिखेंगे।

आईटी दिखेगा, एम्स दिखेगा, रेलवे की तरक्की दिखेगी। जिस देश में एक सुई नहीं बनती थी, उस देश में साइंस एंड टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देकर रॉकेट बनाने का काम उन्होंने किया। इंदिरा गांधी जी ने उस रॉकेट को उड़ाया।

मेजॉरिटी दो, हम संविधान बदलेंगे- मोदीजी कहते हैं कि डॉ. अंबेडकर ऊपर से नीचे आएं तो भी संविधान नहीं बदलेगा। ये मेरे नहीं, उनके अल्फाज हैं। आपने सुना होगा-पढ़ा होगा। मैं पूछता हूं कि अगर ये सच है तो आपके एमपी लोग क्यों कहते हैं, भागवत क्यों कहते हैं, एमएलए क्यों कहते हैं कि हमको टू थर्ड मेजोरिटी दो, हम संविधान बदलेंगे। ये उनका कहना है। क्या ऐसे इंसान के नेतृत्व को आप वोट देंगे। वे अपनी पार्टी का नाम भी नहीं लेते-चंद लोग पूछते हैं कि बार-बार मोदी का नाम क्यों लेते हो? क्या करें, वे कभी अपनी पार्टी बीजेपी का नाम ही नहीं लेते।

दूरदर्शन के लोगो का रंग बदला, भड़के सीएम स्टालिन, बोले- भगवाकरण भाजपा की साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी) द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को दूरदर्शन के लोगो के रंग परिवर्तन को लेकर आलोचना की है. दरअसल, दूरदर्शन के लोगो का रंग बदलकर लाल से नारंगी कर दिया गया है. स्टालिन ने इसे भाजपा का षड्यंत्र बताया है. उन्होंने इसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट भी किया है. स्टालिन ने अपने पोस्ट में कहा, दूरदर्शन पर भगवा दाग लग गया है. तमिलनाडु सीएम ने चुनावी प्रचार के दौरान उन्होंने कहा था कि सब कुछ का भगवाकरण करना भाजपा की साजिश है. उन्होंने कहा, यह (लोगो बदलना) उसी की शुरुआत है. लोकसभा 2024 नतीजे जनता को ऐसे फासीवाद के खिलाफ खड़े होते दिखाएंगे. स्टालिन ने बताया कि पहले तमिलनाडु के संत कवि का भगवाकरण किया गया और अब तमिलनाडु के महान नेताओं की मूर्तियों पर भगवा रंग डाला जा रहा है. विपक्ष ने पहले ही लोगो परिवर्तन को अवैध और भाजपा समर्थक बताया है.

सुनीता केजरीवाल बोलीं-

अरविंद को जेल में मारने की साजिश

आप का आरोप- दिल्ली सीएम को इंसुलिन नहीं दी जा रही; आतिशी इंसुलिन लेकर जेल पहुंचीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा- केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल को मारना चाहती है। उन्हें जेल में सही दवा नहीं दी जा रही। अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन को जेल में डाल दिया गया। ये सरकार की तानाशाही को दर्शाता है। सुनीता रांची में आईएनडीआईए की रैली को संबोधित कर रही थीं।

इधर, तिहाड़ जेल के डीजी संजय बेनीवाल ने शनिवार 20 अप्रैल को एम्स को चिट्ठी लिखी। इसमें दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के लिए एक सीनियर डाइबिटोलॉजिस्ट अपॉइंट करने को कहा गया है। इस लेटर को आम आदमी पार्टी ने भी रविवार (21 अप्रैल) को शेयर किया। इस बीच, रविवार को दिल्ली की मंत्री आतिशी तिहाड़ जेल के सामने इंसुलिन लेकर पहुंचीं। उन्होंने केंद्र सरकार को ब्रिटिश राज से ज्यादा

क्रूर बताया। इससे पहले आतिशी ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार केजरीवाल को मारने की साजिश कर रही है। अरविंद केजरीवाल 1 अप्रैल से तिहाड़ जेल में हैं। 18 अप्रैल को उन्होंने कोर्ट से अपने डॉक्टर से सलाह लेने और इंसुलिन की मांग वाली याचिका लगाई थी, जिस पर 22 अप्रैल को फैसला आना है।

सरकार का झूठ उजागर हो गया है- आप नेता सौरभ भारद्वाज ने बताया कि तिहाड़ जेल की रिपोर्ट झूठ का पुलिंदा है। सबसे पहले केजरीवाल की शुगर को बेतरतीब ढंग से मापा गया। जब भी शुगर लेवल कम हुआ है, रिपोर्ट में केवल वही रिकॉर्ड है। ये अरविंद केजरीवाल को मारने की साजिश है। अरविंद केजरीवाल बार-बार जेल प्रशासन से इंसुलिन मांग रहे हैं, लेकिन वे इसे देने के लिए तैयार नहीं हैं।

सुनीता केजरीवाल की अपील पर करवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग- केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल की अपील पर तिहाड़ जेल प्रशासन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस करवाई। इसमें अस्पताल के एक सीनियर डॉक्टर के अलावा तिहाड़ के चिकित्सा अधिकारी भी मौजूद थे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक एक जेल अधिकारी ने बताया कि 40 मिनट की सलाह के बाद केजरीवाल को आश्वासन दिया गया कि कोई गंभीर चिंता नहीं है।

संपादकीय

इजराइल का ईरान पर हमला विश्व में मचेगा हाहाकार

इजरायल ने ईरान के ऊपर जबाबी हमला कर दिया है। इस जवाबी हमले के बाद सारी दुनिया के देशों में हाहाकार मचना तय है। इजराइल ने ईरान के कई शहरों और एयरपोर्ट पर खतरनाक मिसाइलों से हमला किया है। ईरान के इसाफहान शहर के एयरपोर्ट पर जबरदस्त धमाका सुना गया है। यहीं पर ईरान की न्यूक्लियर साइड भी मौजूद है। इस हमले के दो महत्वपूर्ण प्रभाव सारी दुनिया के देशों में होंगे। पहला कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से तेल के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ेंगे। इसमें दुनिया के वह देश जो इस लड़ाई में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हैं, उनके ऊपर भी इस युद्ध का असर होगा। दूसरा जो देश प्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में भाग लेंगे या समर्थन दे रहे हैं उन देशों को भी इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भारत के लिए यह बड़ी चिंता का विषय है। भारत के संबंध ईरान और इजराइल दोनों के साथ हैं। गुरुवार की रात को इजराइल ने ईरान के इसाफ़न प्रांत में हमला किया है। यहां पर ईरान के परमाणु ठिकाने और यूरेनियम संवर्धन प्रमुख केंद्र हैं। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे तनाव का मामला संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में भी उठा था। सुरक्षा परिषद भी दोनों देशों के तनाव को कम करने में कोई सार्थक भूमिका नहीं निभा पाई। इजराइल के जवाबी हमला करने के बाद भारत को आर्थिक और सामरिक दृष्टि से बड़ा नुकसान होना तय है। ईरान की फौज ने इजराइल का एक माल वाहक जहाज जप्त करके रखा है। इसमें 25 चालक दल में 17 भारतीय थे। ईरान ने मात्र एक महिला चालक को छोड़ा है। शेष सभी ईरान की हिरासत में हैं। इजराइल और ईरान लंबे समय से एक दूसरे के ऊपर छुटपुट हमले करते रहे हैं। लेकिन अब इस युद्ध में अमेरिका, यूरोपीय देशों के साथ-साथ रूस और चीन भी हस्तक्षेप कर रहे हैं। इस कारण तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बन गई है। 1 अप्रैल को इजराइलियों ने दमिशक में एक ईरानी काउंसलेट पर हमला किया था। इस हमले में ईरान के साथ वरिष्ठ अधिकारी मारे गए थे। इस हमले के बाद ईरान को इजराइल के खिलाफ सीधी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। बदले में गुरुवार की रात इजराइल ने भी ईरान पर सीधा जबाबी हमला कर दिया है। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में तनाव की स्थिति बन गई है। ईरान के हमले से बचाव के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जॉर्डन और सऊदी अरब इजराइल की मदद में खड़े हुए हैं। दूसरी ओर ईरान की सहायता के लिए रूस और चीन खुलकर सामने आ गए हैं। इजराइल द्वारा गाजा में जिस तरीके का विनाश हमास से युद्ध करने के नाम पर फिलिस्तीनी नागरिकों का किया है। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद की बात को इजराइल ने नहीं माना। उसके बाद से ही स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। 7 अक्टूबर को इजराइल ने हमास के ऊपर हमला किया था। उसके बाद भारत ने सऊदी अरब, ईरान, इजराइल, मिश्र और फिलिस्तीन के नेताओं से युद्ध को रोकने के लिए अपने स्तर पर सभी ने प्रयास किए, लेकिन भारत के कोई भी प्रयास सफल नहीं हुए। इजराइल लगातार हमास पर हमला करता रहा। हजारों लोगों की मौत हो गई। अक्टूबर से अभी तक चल रहे इस युद्ध में इजराइल के हाथ भी कुछ नहीं आया है। फिलिस्तीन और गाजा में भारी नुकसान हुआ। वहां की आम जनता को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा। ऐसा नरसंहार इसके पहले कभी दुनिया के किसी भी देश में देखने को नहीं मिला। इजराइल और हमास के युद्ध में एक साथ हजारों बच्चों और महिलाओं की मौत हुई है। वहां पर भुखमरी फैली हुई है। रेड क्रॉस और अन्य संस्थाएं वहां मदद नहीं पहुंचा पा रही हैं। भारत के ईरान और इजरायल के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत ने इजराइल से 2। 9 अरब डालर मूल्य के मिसाइल, रडार, निगरानी ड्रोन, लड़ाकू विमान इत्यादि खरीदे हैं। अमेरिका का प्रतिबंध होते हुए भी भारत ने तेल, गैस ईरान से बड़ी मात्रा में खरीदा है। ईरान से कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक भारत है। जिस तरह से ईरान और इजरायल एक दूसरे के ऊपर हमले कर रहे हैं। इसका बड़ा असर कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर होगा। कच्चे तेल और गैस की कीमतें बड़ी तेजी के साथ बढ़ सकती हैं। इसका असर सारी दुनिया के देशों में होगा। जल मार्ग भी बाधित होगा। जिसके कारण आयात और निर्यात को लेकर बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न होगी। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से सारी दुनिया के देश भयाक्रांत हैं। आश्चर्य की बात यह है, कि संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं शांति बहाल करने में अपना योगदान नहीं दे पा रही हैं। इसने चिंता को और भी बढ़ा दिया है। यूक्रेन और रूस के बीच में पहले ही युद्ध चल रहा है इजराइल और हमास के बीच में भी पिछले 7 महीने से भयंकर युद्ध हो रहा है।

नेताओं के बिगड़े बोल पर सख्ती से नियंत्रण जरूरी

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव का प्रचार उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। जैसे-जैसे चुनाव की तिथियां नजदीक आती जा रही है, प्रचार-अभियान में नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। अक्सर चुनावों के दौर में राजनीति में बिगड़े बोल एवं नफरत की राजनीति कोई नई बात नहीं है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। बिगड़े बोल का दोषी मानते हुए चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार करने से रोक दिया है। मथुरा से भाजपा प्रत्याशी एवं सिने अभिनेत्री हेमा मालिनी को लेकर की गई टिप्पणी को अपमानजनक मानते हुए आयोग ने सुरजेवाला के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई की एवं कड़ा कदम उठाया है। लेकिन क्या इस एक्शन को सचमुच सख्त कहा जाना चाहिए? क्या आपत्तिजनक बयानबाजी और खास तौर से महिला सम्मान को ठेस पहुंचाने वालों के लिए इतनी ही सजा काफी है? ये सवाल इसलिए भी कि चुनावों को हम लोकतंत्र का महोत्सव कहते आए हैं और ऐसे बयान चुनावी उत्सवप्रियता में खलल डालने वाले साबित होते हैं।

राजनीति में वाणी का संयम एवं शालीनता बहुत जरूरी है, क्योंकि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हो या राजद नेता लालूप्रसाद यादव प्रधानमंत्री को लेकर जो कुछ कहा हो भाजपा नेता ने सोनिया-राहुल को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हो, सार्वजनिक रूप से ऐसी टिप्पणियों को हेट स्पीच के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले भाषणों की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही

है। विशेषतः महिला नेताओं एवं उम्मीदवारों पर की जा रही कथित विवादास्पद एवं अशालीन टिप्पणियां लोकतंत्र पर बदनुमा दाग बन रही है। इसी तरह सुरजवाला को हरियाणा की एक चुनावी सभा में हेमा मालिनी को लेकर की गई टिप्पणी के लिए दोषी ठहराया गया है।

सुरजेवाला हो या कांग्रेस के अन्य नेता- इन सबको अपनी गलती का अहसास नहीं हुआ हो, ऐसा हो नहीं सकता। लेकिन पहले बयानबाजी कर बाद में लीपापोती करने में जुटना नेताओं का शगल होता जा रहा है। ज्यादा विवाद उठने लगे तो ऐसे तीखे एवं कड़वे बयानों के वीर एवं यौद्धा यह कहकर पल्ला झाड़ते नजर आते हैं कि उनके बयान को तोड़मरोड़ कर दिखाया गया है। कांग्रेस सहित अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। आधुनिक तकनीकी एवं संचार -क्रांति के जमाने में हर व्यक्ति पत्रकार की भूमिका में हैं, सोशल मीडिया के दौर में जब हर हाथ में कैमरायुक्त मोबाइल रहने लगा है चुनावी सभाओं में कोई बयान सार्वजनिक हुए बिना रह ही नहीं सकता। बात केवल सुरजेवाला की ही नहीं है, इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व हिमाचल प्रदेश में मंडी से भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी कंगना रनौत को लेकर ऐसी ही अपमानजनक टिप्पणियां सामने आई थीं। चुनाव आयोग के संज्ञान में यह सब भी सामने आया था लेकिन बयान देने वालों को चेतावनी पत्र देकर ही छोड़ दिया गया। सुरजेवाला को लेकर आयोग के आदेश के बारे में यह जरूर कहा जा सकता है कि लोकसभा चुनाव प्रचार के इस दौर में आयोग ने किसी नेता को प्रचार से रोकने जैसा फैसला पहली बार किया है। अड़तालीस घंटे की रोक अवधि पूरी होने के बाद सुरजेवाला फिर चुनाव प्रचार कर सकेंगे, लेकिन इस बात की गारंटी कौन देगा कि आगामी दिनों में वे अपना बर्ताव संयत रखेंगे। वे अक्सर संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण चर्चा में रहते हैं।

राजनेताओं के नफरती, अमर्यादित, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ भाषणों को लेकर चुनाव आयोग का सक्रिय होना नितान्त अपेक्षित है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने भी समय-समय पर बिगड़े बोलो पर कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। कांग्रेस पार्टी ने भाषा एवं बयानों की मर्यादा को लांघा है। दरअसल, कांग्रेस में यह रिवाज ही बन चुका है। चुनाव में वह कुछ बुनियादी समस्याओं पर बोलने की बजाय है, कोई न कोई ऐसी नफरती एवं गैरजरूरी बयानबाज़ी कर ही देता है जिसका परिणाम आखिरकार पार्टी को भुगतना पड़ता है। इसी कारण पार्टी लगातार जनआधार खो रही है, रसातल में धंसती जा रही है और सुरजेवाला जैसे नेताओं को सजा भी मिलती है।

पार्टी कोई सी भी हो, चुनावी सभाओं में नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते। नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर भाषणों में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों ही चुनाव आयोग को मजबूत करने के प्रयास करते हुए उसे अपनी ताकत का अहसास भी कराया है। कोर्ट ने यहां तक कहा कि कुछ गलत होने पर उसे प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने से भी नहीं हिचकना चाहिए। चुनाव आयोग सख्ती दिखाए तो किसकी मजाल कि भरी सभाओं में जहर उगलती भाषा का इस्तेमाल कर जाए। दरअसल, इस तरह के प्रकरणों में आचार संहिता से ज्यादा नेताओं की आचरण संहिता की जरूरत रहती है। महिला हो या पुरुष, किसी के लिए भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल कतई नहीं होना चाहिए। होना तो यह चाहिए कि राजनीतिक दल आगे आकर पहल करें। आयोग से पहले खुद अपने ऐसे नेताओं पर सख्ती करे, जिनके विवादास्पद बयान चुनावी माहौल में जहर घोलने का काम करते हैं एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व पर आघात करते हैं।

लोकतंत्र का महापर्व चुनाव राजनीतिक दलों एवं नेताओं के भविष्य को निर्धारित करने का दुर्लभ अवसर है। ऐसे में सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले राजनीतिक दल भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे। आखिर नेताओं को नफरत का बाजार सजाने की छूट क्यों हो? इस समस्या से निपटने के लिए 'हेट स्पीच' को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है? मगर इस दौर की राजनीति का स्वरूप कुछ ऐसा बनता गया है कि दूसरे दलों एवं उनके नेताओं के खिलाफ नफरती भाषण देकर अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास किया जाने लगा है। निश्चित ही यह विकृत एवं घृणित सोच वोट की राजनीति का हिस्सा बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति पर अविलंब अंकुश लगाने की आवश्यकता है ताकि इस समस्या को नासूर बनने से पहले ही इस पर प्रभावी तरीके से नियंत्रण पाया जा सके। आजादी के अमृत-काल में राजनीतिक दलों में नफरत एवं उन्माद की आंधी को नियंत्रित करने के लिये विभिन्न राजनीतिक दलों में विनाशकारी बोलों की बजाय निर्माणात्मक बोलों का प्रचलन बढ़े।

दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए रहेंगे विशेष इंतजाम

इन्दौर जिले में गर्मी को देखते हुए मतदान केन्द्रों पर छाया, बैठक, पंखे-कूलर, पेयजल आदि की रहेगी पर्याप्त व्यवस्था

कलेक्टर आशीष सिंह ने नगर निगम आयुक्त शिवम् वर्मा और अन्य अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

इन्दौर। *इंदौर जिले में 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के मतदान के लिए व्यापक तैयारियां जारी है। जिले में गर्मी को देखते हुये मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए छाया, बैठक, पंखे-कूलर, पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्थाएं रखी जायेगीं। दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए भी विशेष इंतजाम रहेंगे।*

इन व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह तथा नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने शहर के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान इन्होंने निर्देश दिये कि मतदान केन्द्रों पर उक्त सभी व्यवस्थाएं आवश्यक रूप से की जाये। इन व्यवस्थाओं में विभिन्न संस्थाओं और संगठनों की मदद भी ली जाये।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री श्री डीआर लोधी तथा श्री महेश शर्मा, क्षेत्रीय झोनल अधिकारी, सीएसआई व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह तथा नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत शहर में अधिक से अधिक मतदान बढ़ाने के उद्देश्य से किये जा रहे कार्यों के साथ ही शहर में स्थित विभिन्न मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने रेसीडेंसी एरिया, मूसाखेड़ी क्षेत्र, मयूर नगर, मालवा मिल क्षेत्र, पंचम की फेल व अन्य स्थानों पर स्थित मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया।

मतदान केन्द्रों पर शहर के सामाजिक, शैक्षणिक, व्यापारिक व विभिन्न संस्था/ संगठनों के माध्यम से 13 मई 2024 मतदान दिवस पर उपरोक्त व्यवस्थाऐं सुनिश्चित कराने के संबंध में संबंधितों को निर्देशित किया। बताया गया कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह की पहल पर शहर के मार्केटिंग एसोसिएशन के साथ-साथ होटल, मॉल, रेस्टोरेन्ट, व्यापारिक संगठनों के साथ 23 अप्रैल 2024 को शाम 4 बजे सिटी बस आफिस में बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में मतदाताओं को जागरूक करने के संबंध में चर्चा की जायेगी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एंव जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह ने कहा कि शहर में अधिक से अधिक मतदान को दृष्टिगत रखते हुए, विभिन्न अभियान चलाये जा रहे है। ग्रीष्मकाल को देखते हुए मतदाताओं एवं मतदान दल को बेहतर सुविधाऐं उपलब्ध हो इसको लेकर मतदान केन्द्र पर शेड व्यवस्था, टेन्ट व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, बैठक व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिये गये।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह ने मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदान केन्द्रों पर की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

इसके साथ ही मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं के लिऐ रैम्प/व्हील चेयर, मतदान केन्द्र तक पहुंच मार्ग, प्रत्येक मतदान दल एवं मतदाता को स्वच्छ पेयजल, मतदान दल के केन्द्र पर मतदान आने से जाने तक पेयजल की पूर्ति, प्रत्येक मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त प्रकाश/विद्युत व्यवयस्था, शौचालय सुविधा, मतदान केन्द्र में स्थित कक्षों की सफाई के साथ ही निर्वाचन से संबंधित आवश्यक सूचना पटल आदि कार्यों का भी निरीक्षण किया गया।

भवन मालिक एक माह में अग्नि सुरक्षा के सभी उपाय सुनिश्चित करें, नहीं तो सील किए जाएंगे

इन्दौर। जिले में लगभग 25 हजार से अधिक बिल्डिंग ऐसी हैं जो साढ़े 12 मीटर से अधिक ऊँचाई की हैं जिनमें अग्नि सुरक्षा के विशेष उपाय जरूरी हैं। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष सिंह ने इन सभी भवन मालिकों को एक माह की अवधि प्रदान की है कि वे अपने भवनों में अग्नि सुरक्षा के विशेष उपाय सुनिश्चित कर लें। कलेक्टर ने कहा है कि इस अवधि के पश्चात निर्देशों का पालन नहीं करने की स्थिति में इन भवनों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया है कि इंदौर में ऐसे व्यापारिक एवं वाणिज्यिक भवनों का चिन्हांकन कर लिया गया है जहाँ पर फायर फाइटिंग के लिए आवश्यक उपकरण लगाए जाने हैं एवं तद्नुसार व्यवस्था सुनिश्चित की जाना हैं। व्यापारिक और वाणिज्यिक भवनों में जिनकी ऊँचाई 10 मीटर से कम हैं वहाँ पर फायर फर्स्ट एक्सटिंग्विशर, फस्ट हॉज रील, डाउन राइजर, मैन्यूअली फायर अलार्म सिस्टम, टैरेस टैंक (10 हजार लीटर)

और फायर पम्प (450 एलपीएम) होना आवश्यक है। ऐसे वाणिज्यिक एवं व्यापारिक भवन जिनकी ऊँचाई 10 मीटर से 15 मीटर के बीच में हैं वहाँ पर फायर फर्स्ट एक्सटिंग्विशर, फस्ट हॉज रील, डाउन राइजर, ऑटोमेटिक (बेसमेन्ट एरिया 200 एम 2), मैन्यूअली फायर अलार्म सिस्टम, अन्डरग्राउड वाटर (50 हजार लीटर), टैरेस टैंक (5 हजार लीटर) और फायर पम्प होना आवश्यक है। ऐसे वाणिज्यिक एवं व्यापारिक भवन जिनकी ऊँचाई 15 मीटर से 30 मीटर के बीच है, वहाँ पर फायर फर्स्ट एक्सटिंग्विशर, फस्ट हॉज रील, वेट राइजर/ डाउन कमर, ऑटोमेटिक स्पिंकलर, यार्ड हाईड्रेंट, मैन्यूअली फायर अलार्म सिस्टम एवं ऑटोमेटिक अन्डरग्राउड वाटर टैरेस पंप, अंडर ग्राउड वाटर (डेढ़ लाख लीटर) और टैरेस टैंक (20 हजार) और फायर पम्प होना जरूरी है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना प्रारंभ कर दें। एक माह की अवधि व्यवस्थाएं कायम करने के लिए प्रदान की गई है। इसके पश्चात कमी पाए जाने पर इन भवनों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने स्पष्ट किया हैं कि इन्दौर एक वाणिज्यिक शहर है और यहाँ न केवल स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में नागरिकों का अपितु प्रदेशभर से लोगों का आना-जाना ऐसे भवनों में होता रहता हैं। ऐसे में जन सुरक्षा को देखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाना अतिआवश्यक हैं।

मतदाता जागरूकता के लिए मतदाता साक्षरता क्लब का गठन

इन्दौर। भागीरथ सिलावट शासकीय महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) के अंतर्गत महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत महाविद्यालय मे कैंपस एंबेसेडर एवं मतदाता साक्षरता क्लब का गठन विशेष रूप से किया गया। विद्याथियों के सहयोग से स्लोगन, पोस्टर, रैली का आयोजन किया गया। पालकों के नाम पाती के द्वारा स्वयं मतदान करने एवं मतदान के प्रति अन्य लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। केंपस एम्बेसडर को वर्कशॉप के द्वारा मतदान जागरूकता गतिविधि की जानकारी भी दी गई। मतदाता जागरूकता अभियान की प्रभारी डॉ. अंजली जोशी ने बताया कि विद्यार्थियों को मतदान के प्रति आकर्षित करने के लिए महाविद्यालय में सेल्फी प्वाइंट भी बनाये गये हैं। महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता गतिविधियां जारी रखते हुये हस्ताक्षर अभियान, नुक्कड़ नाटक आदि आयोजन नियमित रूप से किये जायेंगे।

मप्र में दूसरे चरण की छह सीटों पर मतदान 26 को

सतना में मुकाबला टाइट, 5 पर भाजपा फर्स्ट च्वाइस

भोपाल। *मप्र में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की छह सीटों दमोह, होशंगाबाद, खजुराहो, रीवा, सतना और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए सुरक्षित टीकमगढ़ पर 26 अप्रैल को मतदान होना है। 2019 में भाजपा ने इन सभी सीटों को जीता था। वहीं 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में भी भाजपा इन क्षेत्रों में मजबूत रही। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा की स्थिति बेहतर रहेगी। हालांकि वर्तमान प्रत्याशियों की स्थिति और विधानसभा के चुनाव परिणामों के अनुसार सतना में मुकाबला टाइट नजर आ रहा है, जबकि पांच अन्य सीटों पर मतदाताओं की फर्स्ट च्वाइस भाजपा ही है। बता दें, इन छह सीटों पर कुल 80 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। इनमें से 75 पुरुष, चार महिला और एक थर्ड जेंडर प्रत्याशी भी है।*

मप्र में दूसरे चरण की छह संसदीय सीटों के अंतर्गत आने वाले 47 विधानसभा क्षेत्रों में से 40 पर भाजपा कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इन लोकसभा सीटों के अंतर्गत आने वाली विधानसभा सीटों पर पांच माह पहले संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में 47 में से 40 सीटों पर भाजपा ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। वहीं कांग्रेस केवल

सात सीटों पर ही बढ़त बना पाई थी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा ने इन छह संसदीय सीटों पर विधानसभावार बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में केवल सतना सीट पर भाजपा को सात विधानसभा सीटों में से चार पर हार का सामना करना पड़ा था।

सतना में कांटे का मुकाबला, खजुराहो में वाक ओवर

विंध्य क्षेत्र की सतना सीट पर इस बार मुकाबला कांटे का नजर आ रहा है। भाजपा ने फिर सतना सांसद गणेश सिंह को टिकट दिया है। गणेश सिंह विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का भरोसा नहीं जीत पाए थे। सिंह ओबीसी कुर्मी समाज से आते हैं। सतना लोकसभा और विंध्य क्षेत्र में कुर्मी पटेल और ब्राह्मण समुदाय निर्णायक है। गणेश सिंह का मुकाबला कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा से होगा। कुशवाहा ने विधानसभा चुनाव में गणेश सिंह को हराया था। विंध्य की सियासत का गढ़ रीवा को माना जाता है। इस सीट पर भाजपा की स्थिति मजबूत है। ब्राह्मण और ओबीसी वर्ग निर्णायक है। पार्टी ने यहां से तीसरी बार जनार्दन मिश्र को मैदान में उतारा है। वहीं यूपी की सीमा से सटे मप्र के बुंदेलखंड में खजुराहो सीट आती है। इस सीट पर पिछड़ा वर्ग और ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका अदा करते हैं। 2004 से इस सीट पर भाजपा का दबदबा है। भाजपा की तरफ से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मैदान में हैं। जबकि कांग्रेस ने यह सीट गठबंधन सहयोगी सपा को दी है। सपा प्रत्याशी का नामांकन निरस्त हो गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि वीडी शर्मा को वाक ओवर मिल गया है। खजुराहो से दूसरी बार वीडी शर्मा चुनाव लड़ रहे हैं।

दमोह-टीकमगढ़ भाजपा का गढ़

दमोह लोकसभा सीट लंबे अरसे से भाजपा का गढ़ बन चुकी है। लोधी समुदाय यहां सबसे अधिक है। इसलिए भाजपा ने राहुल सिंह लोधी के तौर पर समाज को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की है। लोकसभा क्षेत्र में लोधी समाज के वोटर निर्णायक भूमिका में हैं। दमोह, जबेरा, पथरिया, देवरी, बनडा और बड़ा मलहरा में लोधी समाज की संख्या अधिक है। इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। बुंदेलखंड की टीकमगढ़ लोकसभा सीट भाजपा का गढ़ है। अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित लोकसभा सीट में सबसे ज्यादा अनुसूचित जाति के मतदाता हैं। इसके अलावा ओबीसी वर्ग के मतदाता निर्णायक भूमिका है। लोधी और ब्राह्मण मतदाता भी अच्छी संख्या में हैं। भाजपा ने जहां अपने केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार पर लगातार चौथी बार भरोसा जताया है। वहीं, कांग्रेस ने नए चेहरे के तौर पर पंकज अहिरवार को मैदान में उतारा है।

होशंगाबाद-बैतूल में भाजपा मजबूत

होशंगाबाद लोकसभा सीट बीजेपी का मजबूत गढ़ मानी जाती है। मध्य भारत अंचल में आने वाली इस लोकसभा सीट पर 1989 से 2004 तक बीजेपी ने लगातार चुनाव जीता था। 2009 में इस सीट पर कांग्रेस को जीत मिली। लेकिन 2014 में फिर भाजपा ने ये सीट कांग्रेस से छीन ली। ओबीसी बहुल सीट पर एससी-एसटी निर्णायक भूमिका अदा करते हैं। इस सीट से दर्शन सिंह चौधरी को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है। भाजपा का गढ़ बैतूल लोकसभा सीट आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित है। इस सीट पर एससी और एसटी वर्ग के मतदाता ही निर्णायक भूमिका में नजर आते हैं। भाजपा ने दुर्गादास उइके को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने पिछला चुनाव हार चुके आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम को दोबारा प्रत्याशी बनाया है।

तीसरे चरण की नौ सीटों पर 140 नामांकन पत्र वैध

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण की सीटों के लिए आए नामांकन पत्रों की जांच में 140 अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र वैध पाए गए। 13 अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र त्रुटि मिलने के कारण अस्वीकृत कर दिए गए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि मुरैना में 16, भिंड में आठ, ग्वालियर में 21, गुना में 17, सागर में 14, विदिशा में 16, भोपाल में 25, राजगढ़ में 15 और बैतूल में आठ के नामांकन पत्र विधि मान्य पाए गए हैं।

भोपाल लोकसभा के प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव के पक्ष में कार्यकर्ताओं में भरा जोश

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न

भोपाल। भोपाल लोकसभा संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव के चुनाव-प्रचार और कार्यकर्ताओं को बूथ पर कार्य करने की जिम्मेदारी को लेकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में नरेला विधानसभा सहित लोकसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक आहूत की गई। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अपने अपने बूथ को मजबूत करने पर जोर दिया।

कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव ने कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुये कहा कि आप हमारे सेनापति हैं और हम सभी पर पूरी जिम्मेदारी है कि कैसे हमें बूथ तक पहुंचकर कांग्रेस के पक्ष में एक-एक वोट डलवाना है। उन्होंने कहा कि आपकी तरह ही मैं भी एक साधारण कार्यकर्ता हूं। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि मेरा मुकाबला भाजपा के आलोक शर्मा से तो है ही लेकिन भाजपा की जुमलेबाजी, झूठ की राजनीति और प्रदेश में बढ़ रही बेहताशा महंगाई, बेरोजगारी, किसानों पर अत्याचार, अजा अजजा के लोगों पर अत्याचार, महिलाओं पर अत्याचार से भी हमारा मुकाबला है। उन्होंने कहा कि भाजपा 400 पार का नारा दे रही है, भाजपा बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर द्वारा बनाये संविधान को बदलाव करना चाहती है। बाबा साहेब अंबेडकर के कानून को बदलने की कोशिश भाजपा करेगी तो पहली आवाज मैं उठाऊंगा। आप मुझे चुनाव जिताएं मैं आपकी आवाज बनूंगा। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि भोपाल की धरती पर 2005 से मास्टर प्लान नहीं है। कई कालोनियों को अवैध घोषित किए हैं तो टैक्स क्यों लिया जा रहा है। कांग्रेस ने देश को आजाद कराने के लिए छाती पर गोलियां खाई है। हम इस देश के कानून को बदलने नहीं देंगे। बैठक में वरिष्ठ नेता ठाकुर सुरेन्द्र सिंह, महेन्द्र जोशी, डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष आसिफ जकी, पूर्व महापौर दीपचंद यादव, पूर्व महापौर विभा पटेल, जे.पी. धनोपिया, मनोज कपूर, रवि सक्सेना, ललित सेन, संजय गुप्ता, मप्र कांग्रेस अल्पसंख्य विभाग के प्रदेश प्रवक्ता जमशेद आलम सहित नरेला विधानसभा के सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में एमसीएमसी से पूर्व प्रमाणित राजनैतिक विज्ञापन ही हो सकेंगे प्रकाशित

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश के 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में चार चरणों में निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी?। पहले चरण के छह लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में मतदान सम्पन्न हो चुका है। दूसरे चरण में 6 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 26 अप्रैल को, तीसरे चरण में 9 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 7 मई को और चौथे चरण में 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 13 मई को मतदान होगा। श्री राजन ने बताया कि प्रदेश में सभी चरणों के मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणित विज्ञापन ही प्रिंट मीडिया में प्रकाशित हो सकेंगे। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। श्री राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान की तिथि व मतदान से पूर्व दिवस पर प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के लिये विशेष व्यवस्था दी गई है।

भीषण गर्मी में जमकर पसीना बहा रहे विवेक तन्खा

जीतू, अरूण, उमंग का मिला साथ-हताशा को उत्सास में बदला

भोपाल। लोक सभा चुनाव के दौरान कभी कांग्रेस के पास दिग्गज नेताओं की फौज हुआ करती थी। कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, सुरेश पचौरी, कांति लाल भूरिया आदि नेता सूबे में धुआंधार दौरे कर कांग्रेस के चुनाव प्रचार की कमान सम्हालते थे। लेकिन 2024 के आम चुनाव में सब कुछ बदल गया है। दिग्विजय सिंह अपने निर्वाचन क्षेत्र राजगढ़ तो कमलनाथ छिंदवाड़ा में सिमट कर रह गए। सिंधिया, पचौरी कांग्रेस से नाता तोड़ भाजपा का दामन थाम चुके हैं। कांति लाल भूरिया भी अपने क्षेत्र से बाहर नहीं निकल सके। ऐसी विषम परिस्थितियों में देश के सुप्रसिद्ध विधिवेत्ता एवं राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने पहले चरण के मतदान तक जिस तरह से ताबड़तोड़ दौरे किए हैं, उससे राजनीति के जानकार भी हैरान हैं। तन्खा ने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरूण यादव के साथ परस्पर तालमेल बनाकर समूचे प्रदेश में कांग्रेस के चुनाव

अभियान का परचम बुलंद रखा। अरूण और जीतू के साथ ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने संयुक्त रूप से विवेक तन्खा को साथ लेकर जिस तरह से मेहनत की है, उससे कांग्रेस को दिग्विजय सिंह, कमलनाथ आदि नेताओं की कमी का अहसास नहीं हुआ। भीषण गर्मी में गली मुहल्लों व सड़कों पर घूमते हुए रोड शो और आम सभाएं करके विवेक कृष्ण तन्खा ने अपनी नई छबि विकसित कर ली है। उनके इस नए लुक को देखकर उनके घोर विरोधी भी आश्चर्यचकित हैं। संकट के समय में जब खुद को कांग्रेस का वफादार कहलाने वाले कई नेता पार्टी से किनारा कर चुके हैं, निराशा के ऐसे दौर में विवेक तन्खा ने सियासत के मैदान में पसीना बहा कर और बिखरे कार्यकर्ताओं को एकजुट करके यह संदेश दिया है, कि जब पार्टी को उनकी जरूरत है तो वह भी कांग्रेस के लिए हर कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं। पहले चरण का मतदान सम्पन्न होने के बाद भी तन्खा जिस तरह से अरूण, जीतू व उमंग के साथ सूबे की खाक छान रहे हैं, उससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में निश्चित रूप से उत्साह का संचार हुआ है। निराशा के दौर से गुजर रहे कांग्रेस वर्कर्स यह कहने लगे हैं कि सूबे की सियासत में विवेक तन्खा के रूप में एक बेबाक, बेदाग, और प्रभावशाली नेता कांग्रेस को मिल गया है। जिसका लाभ पार्टी को आज नहीं तो कल जरूर मिलेगा।

भाजपा सरकार ही कर सकती है बुंदेलखंड का सर्वांगीण विकासः विष्णुदत्त शर्मा

खजुराहो। *प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार देश का लगातार विकास कर रही है। देश में वर्षों तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी के समय में बुंदेलखंड के लोगों को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ता था। कांग्रेस ने बुंदेलखंड के लोगों को पीने के पानी तक के लिए तरसा दिया, बुंदेलखंड के विकास के नाम पर सिर्फ भ्रटाचार किया। वर्ष 2003 में मध्यप्रदेश में भाजपा और 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार आने के बाद बुंदेलखंड के विकास को गति मिली है।*

अब प्रधानमंत्री ने हरा भरा और खुशहाल बुंदेलखंड बनाने के लिए 44 हजार 605 करोड़ रुपये की केन-बेतवा लिंक परियोजना की सौगात दी है। सही मायनों में बुंदेलखंड का अगर कोई विकास कर सकता है तो वह भाजपा सरकार ही है। यह बात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पन्ना जिले के गुन्नौर विधानसभा क्षेत्र के अमानगंज सहित विभिन्न गांवों में रोड शो एवं जनसंपर्क व संवाद करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र में सरकार बनने के बाद भारत विकास के रास्ते में चल पड़ा है। देश में 65 वर्षों तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी के कार्यकाल में देश में गरीबों के उत्थान के लिए कोई कार्य नहीं किया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा है- हर गरीब का अपना पक्का मकान होगा- विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि

प्रधानमंत्री ने आज भी दमोह की सभा में कहा है कि देश के जिन गरीबों के पास पक्के मकान नहीं हैं, उन्हें भी पक्के मकान आने वाले दिनों में बन जाएंगे। बीते दस वर्षों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 4 करोड़ गरीबों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। आने वाले पांच वर्षों में और 3 करोड़ मकान गरीबों के लिए बनाए जाएंगे, यह प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है। कांग्रेस के शासनकाल में जिस भारत में गरीबों को राशन नहीं मिलता था, करोना काल आया, मोदी ने 80 करोड़ घरों में राशन पहुंचाने का काम किया।

हर बूथ पर 370 नए मतदाता पार्टी से जोड़कर मुखर्जी को श्रद्धांजलि देना है- शर्मा ने शुक्रवार को पन्ना भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पार्षदों की बैठक में कहा कि प्रत्येक बूथ पर पहले से अधिक 370 नये वोट हासिल कर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी को श्रद्धांजलि देना है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर उनके हाथ को मजबूत करना है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल है। हम सभी कार्यकर्ता हर बूथ पर ऐतिहासिक विजय दिलाने के लिए 370 नए मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने सफर पर चल पड़ा है। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद लोगों की गरीबी हटाने का कार्य किया गया। प्रधानमंत्री देश को विकसित बनाने और भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। देश की प्रगति को निरंतर बनाए रखने और भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए नरेन्द्र मोदी को ऐतिहासिक बहुमत से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। भाजपा प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त कर अबकी बार 400 पार के आंकड़े को प्राप्त करेगी।

रोड शो का जगह-जगह स्थानीय लोगों ने किया स्वागत

विष्णुदत्त शर्मा पन्ना जिले के गुन्नौर विधानसभा क्षेत्र के दर्जन भर गांवों में जनसंपर्क एवं संवाद किया और भाजपा को वोट देने की अपील की। उन्होंने अमानगंज में रोड शो कर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी को मतदान करने की अपील की। रोड शो का स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर 370 नए मतदाता पार्टी से जोड़ने का संकल्प दिलाया। प्रदेश अध्यक्ष ने ग्राम महदवां, कटकहा, टौरह, बरशोभा, हरद्वाही, गुनौर, बिलघाड़ी, गौरा, बराछ व अन्य गांवों में प्रचार रथ से जनसंपर्क कर संवाद किया। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों व स्थानीय लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष शर्मा पर जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और अबकी बार 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार के नारे लगाए। कई स्थानों पर प्रचार रथ पर जेसीबी के माध्यम से पुष्पवर्षा की गई।

मप्र में गेहूं का रकबा घटा खरीदी की रफ्तार भी धीमी

अब तक सिर्फ 25 लाख मीट्रिक टन गेहूं ही सरकारी गोदामों में पहुंचा

भोपाल। देश के बड़े उत्पादक राज्यों में शामिल मध्य प्रदेश में गेहूं का रकबा घट रहा है तो अब सरकारी खरीदी में भी पिछड़ रहा है। पिछले 3 साल में गेहूं की सरकारी खरीद लगातार घटी है। इस साल भी मप्र 100 लाख मीट्रिक टन के टारगेट से आधे पर ही रुक सकता है। 20 मार्च से शुरू हुई सरकारी खरीद के बीच अब तक सिर्फ 25 लाख मीट्रिक टन गेहूं ही सरकारी गोदामों में पहुंचा है। केंद्र सरकार ने इस साल गेहूं खरीद का टारगेट 23 प्रतिशत बढ़ाते हुए लगभग 320 से 330 एलएमटी तय किया है। हालांकि राज्यों द्वारा बोनस नहीं देने या नाममात्र का बोनस देने की वजह से सरकारी मूल्य मंडियों में चल रही कीमतों से पीछे हैं। मप्र में 20 मार्च को 2400 रुपए में गेहूं की सरकारी खरीद शुरू होने के साथ ही प्रदेश की मंडियों में भाव 2200 से 2600 रुपए है। भारतीय किसान संघ के प्रवक्ता राहुल धूत ने कहा कि 2700 एमएसपी होने पर सरकारी खरीद बढ़िया होती। 15 मार्च को भोपाल और आसपास के क्षेत्र में गेहूं की खरीद 20 मार्च के बाद शुरू हुई। किसानों को सोसाइटी में भुगतान की अंतिम तिथि 31 मार्च होती है, जो 30 अप्रैल तक बढ़ाई गई। इस वजह से किसानों ने जल्दबाजी में फसल बेचकर भुगतान किया।

गेहूं का रकबा और खरीदी भी घटी-पिछले 5 सालों में गेहूं का रकबा भी घटा है। केंद्र द्वारा फरवरी के अंत में जारी आंकड़ों के मुताबिक मप्र में गेहूं का रकबा 87 लाख हेक्टेयर था जबकि लक्ष्य 90.71 लाख हेक्टेयर था। साल 2020 -21 में ये रकबा लगभग 88 लाख हेक्टेयर था। 21-22 में बढक़र 93.86 लाख हेक्टेयर हो गया और 2022 -23 में 86.30 लाख हेक्टेयर हो गया। इसी तरह सरकारी खरीद भी घटी है। 2021 -22 में प्रदेश में 128 एलएमटी की रिकॉर्ड खरीदी हुई। भोपाल अनाज मंडी के अध्यक्ष हरीश ज्ञानचंदानी ने कहा कि मंडियों में अभी भी गेंहूं के दाम 2200 से 2700 हैं। पिछले दिनों हुई बारिश से गेहूं को कोई खास नुकसान नहीं हुआ और मिल वाले माल खरीद रहे हैं।

सिंघम अगेन के सेट से आईं दीपिका की तस्वीरें, बेबी बंप पर टिकी हर किसी की नजर

दीपिका पादुकोण जल्द ही मां बनने वाली हैं। रणवीर सिंह और उनका ये पहला बेबी होगा। शादी के कई साल बाद वह

पैरेंट्स बनने वाले हैं। प्रेग्नेंसी में भी वह शूटिंग कर रही हैं। दरअसल रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन के सेट से फोटोज सामने आई हैं जहां पहली बार दीपिका पादुकोण इस तरह के फिटिड कपड़ों में दिखी हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट से लीक हुई तस्वीरें काफी वायरल हो रही है, चलिए दिखाते हैं आपको भी। पिछले साल रोहित शेट्टी ने सिंघम अगेन के बारे में बताया था। फिल्म में दीपिका पादुकोण लेडी सिंघम के रूप में नजर आएंगी। पिछले साल मेकर्स ने एक फोटो भी शेयर की थी जहां दीपिका खून से लथपथ वर्दी में नजर आ रही थीं। मालूम हो, रोहित शेट्टी और दीपिका पहले चैन्नई एक्सप्रेस में साथ में काम कर चुके हैं।

सिंघम अगेन के सेट से दीपिका की तस्वीरें

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरें सिंघम अगेन फिल्म के दौरान की है। जहां दीपिका का हल्का सा बेबी बंप भी झलक रहा है। ये पहला मौका है जब वह कुछ ऐसे फिटिड कपड़ों में दिख रही हैं। अभी ये साफ नहीं है कि ये ताजा फोटोज हैं कि पुरानी।

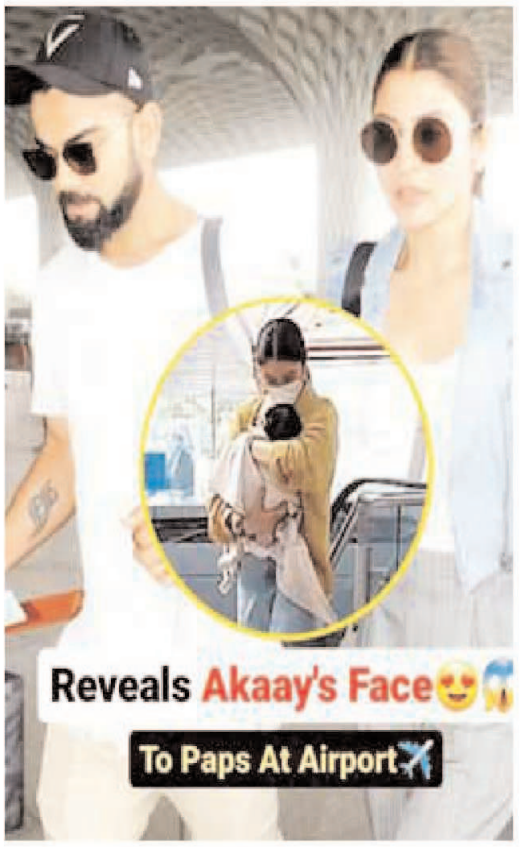

बेटे से इतना पर्सनल सवाल पूछकर बुरा फंसी मलाइका, भड़क गए लोग

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान इस समय अपने एक वॉडकास्ट डम बिरयानी को लेकर खबरों में हैं। इसके अगले एपिसोड में अरहान खान की मां मलाइका अरोड़ा नजर आने वाली हैं जोकि उनके कई मुद्दों पर बात करती दिखेंगी। लेकिन इस वक्त जो वीडियो सामने आया है उसमें दोनों ने कुछ ज्यादा ही खुलकर बात कर डाली है। अरहान से मलाइका अरोड़ा उनकी वर्जिनिटी पर सवाल पूछ रही हैं तो वहीं अरहान खान ने भी कुछ ऐसा पूछ लिया जो कि आपको हिलाकर रख देगा। इसके पहले अरहान खान के शो पर सोहेल खान और अरबाज खान गेस्ट के तौर नजर आए थे। लेकिन मलाइका के साथ ये वीडियो चर्चा में हैं। वर्जिनिटी पर कैसा सवाल पूछा? अरहान खान इस दौरान अपनी मां मलाइका अरोड़ा से बात कर रहे थे। वायरल हो रहे टीजर में आप देखेंगे कि मलाइका ने अरहान से पूछ लिया कि आपने कब अपनी वर्जिनिटी लूज की थी? जाहिर है कि इस सवाल के बाद अरहान पूरी तरह से हैरान थे। मां के सवाल के बाद अरहान का चेहरा देखने लायक था और उन्होने एक शब्द नहीं निकाला। कुछ देर रुकने के बाद अरहान ने भी मां से पूछा, क्या आपको लोगों से घुलना-मिलना पसंद है? इस पर वह तुरंत इनकार कर देती हैं। इसके बाद अरहान उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर सवाल दागते हैं और पूछते हैं, मेरा अगला सवाल ये है कि आप शादी कब रही हैं? जैसे ही ये टीजर सामने आया लोग हैरान हैं और बुरी तरह से भड़के हुए हैं। लोग कर रहे हैं ऐसे कमेंट्स इस तरह की बातचीत मां-बेटे के बीच देखकर कुछ नेटिजेंस को बिल्कुल पसंद नहीं आई है। वो तानाकशी कर रहे हैं। एक ने लिखा है, वाह, जो संस्कार मिले हैं उसकी नुमाइश हो रही है। दूसरा यूजर लिखता है, वेस्टर्न कल्चर को कॉपी करने की कोशिश। एक ने लिखा है, देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान, कितना बदल गया इंसान। एक ने लिखा, वाह, बेटे मां से दूसरी शादी के लिए पूछ रहा है। फिलहाल आप देखिए ये टीजर जो कि वायरल है।

भारत लौटी अनुष्का जल्द दिखाएंगी बेटे अकाय का चेहरा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने दूसरे बेबी के जन्म की गुडन्यूज सोशल मीडिया पर शेयर की थी। उनके बेटे अकाय का जन्म लंदन में हुआ था। एक्ट्रेस अब डिलीवरी के दो महीने बाद भारत लौट आई हैं। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट ही रखना पसंद करते हैं। खासतौर से जब बच्चों की बात आती है तो वह उन्हें पैपराजी और लाइमलाइट से दूर रखते हैं। फरवरी में अनुष्का शर्मा के बेटे अकाय का जन्म हुआ था। खबरों के मुताबिक एक्ट्रेस अपनी डिलीवरी के लिए लंदन गई थी और वह दो महीने से अपने दोनों बच्चों के साथ वहीं थीं। हालांकि विराट और अनुष्का ने एक भी बार अपने बेटे की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की है।

इस बीच जानकारी आई है कि दो महीने बाद अनुष्का शर्मा अपने बेटे अकाय और बेटी वामिका के साथ भारत लौट आई हैं। इस बीच उन्होंने एयरपोर्ट पर पैपराजी को अपने बेटे की झलक दिखाई। हालांकि ये उनके फैंस के लिए नहीं था। उन्होंने पैपराजी को बेटे की तस्वीर लेने से साफ मना कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विराट और अनुष्का अपने दोनों बच्चों के साथ एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए।

अनुष्का शर्मा ने पैपराजी से वादा किया है कि वह जल्दी ही खुद फोटो क्लिक कराने सामने आएंगी, लेकिन तब जब बच्चे उनके साथ नहीं होंगे। बता दें कि, फरवरी में अनुष्का ने पोस्ट शेयर कर बेटे अकाय के जन्म की गुडन्यूज शेयर की थी। जानकारी के मुताबिक, 15 फरवरी को कपल ने अपने बेटे का वेलकम किया था। फिलहाल फैस को इंतजार है कि आखिर कपल कब बेटे की पहली झलक फैंस के साथ साझा करेंगे।

पीले दांतों को करें इन नुस्खों से चमकदार

कैल्शियम की कमी या फिर लिवर में प्रॉब्लम की वजह से भी दांतों में पीलापन आ जाता है। इसके अलावा स्मोकिंग, तंबाकू, कोल्ड ड्रिंक, सोडा, टी और कॉफी के ज्यादा सेवन की वजह से भी दांतों में पीलापन आ जाता है। इन चीजों में मौजूद केमिकल्स हमारी दांतों के इनामेल को नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं और इनसे इनकी नेचुरल चमक को चुरा लेते हैं। ऐसे में कोई भी टूथपेस्ट जिससे हम अपने दांतों को नेचुरली चमक दे सकें ऐसा कोई भी नहीं है। सबके अपने साईड इफेक्ट्स होते हैं, लेकिन इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप घर पर ही अपने दांतों को नेचुरली सफेद और चमकदार बना सकते हैं। आइए जानते हैं दांतों के चमकाने के घरेलू उपाय-

नींबू, नमक और बेकिंग सोडा

एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा पाउडर में एक चम्मच नींबू का रस और थोड़ा सा नमक मिलाकर टूथ ब्रश की मदद से अपने सारे दांतों पर अच्छे से मसाज करें और कुछ देर के लिए इन्हें ऐसे ही छोड़ दें। पांच मिनट बाद ठंडे पानी से कुल्ला करें। बेकिंग सोडा और नींबू दांतों को साफ करने में मदद करते हैं और नमक इन्हें पोषण देने का काम करता है।

संतरे के छिलका भी है असरदार

संतरे के छिलके को धूप में सुखाकर बारीक पीसकर पाउडर बना लें और फिर इसे पानी में मिलाकर लेप बना लें। अब इससे ब्रश से पूरे दांतों की मसाज करें। डेली ऐसा करने से दांतों के प्लाक जल्दी से खत्म हो जाएंगे।

पोषण का ध्यान रखें

दांतों की अंदरूनी तंदुरुस्ती आपके पोषणयुक्त खानपान से ही मिलेगी और आपके दांतों को पोषण देने के लिए सबसे अधिक कैल्शियम और विटामिन डी की जरूरत होती है। इसलिए इसकी कमी अपने शरीर में कभी भी न होने दें।

क्रंची फ्रूट्स और फूड्स खाएं

क्रंची फरूट्स और फूड्स चबाने से दांतों के प्लाक जल्दी से खत्म हो जाते हैं। साथ ही इन्हें न्यूट्रीशन भी मिलता है। इसके अलावा खुद को हमेशा हाइड्रेटेड रखें और माउथ वॉश का भी प्रयोग करें।

नारियल तेल मसाज

दांतों की नारियल तेल से मसाज करें और फिर कुछ देर ऐसे ही छोड़ दें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें। नारियल तेल में मौजूद लॉरिक एसिड दांतों में प्लाक पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म कर उन्हें सफेद बनाए रखने में मदद करता है।

अंडे का छिलका

अंडे के छिलके को पीसकर चूरण बना लें और इससे भी दांतों की बेहतर सफाई की जा सकती है। इसके बाद आप किसी भी व्हाइट पेस्ट से ब्रश कर लें।

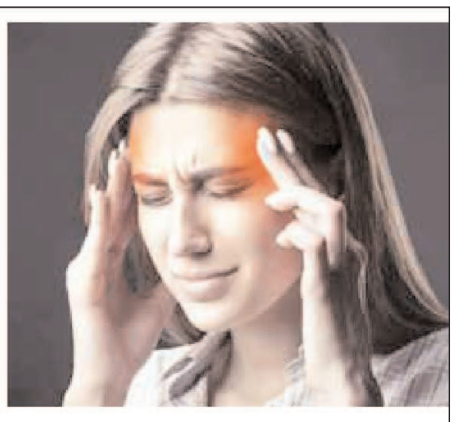

माइग्रेन के दर्द से राहत के लिए अपनाएं घरेलू नुस्खे

अक्सर कामकाज के चक्कर आपकी दिनभ भागदौड़ लगी रहती है और इस कारण लोग तना के साथ-साथ कई समस्याओं का शिकार होते हैं उन्हीं में सिर दर्द भी आम समस्या है। कई कारण से सिर दर्द की शिकायत कई लोगों में बनी रहती है, लेकिन लगातार दर्द बना हुआ है, फिर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे में बेहतर कि नजरअंदाज न करके इसका उपचार लें। कई ब खराब जीवनशैली, अनहेल्दी डाइट, मोबाइल-लैपटॉ पर लगातार इस्तेमाल करने से भी यह समस्या सकती है। अक्सर कुछ लोग माइग्रेन दर्द में पेनकिल लेते हैं, लेकिन दवा से ज्यादा कुछ घरेलू नुस्खों क मदद से दर्द से छुटकारा पा सकते हैं आइए जानें-

अदरक

अदरक में मौजूद जरूरी तत्व अन्य चीजों के मुकाब ज्यादा होते हैं, जो माइग्रेन दर्द में राहत देते हैं। अदर का रस निकालकर उसे गरम पानी में मिलाकर सकते हैं। इससे भी दर्द में आराम मिलता है।

लहसुन

लहसुन में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो द को कम करने में मदद कर सकते हैं। लहसुन का र निकालकर शहद के साथ मिलाकर खाने से लाभ मि सकता है।

शहद

शहद में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गु होते हैं जो माइग्रेन दर्द को कम करने में मदद क सकते हैं। आप एक-एक चम्मच सुबह-शाम शह खा सकते हैं।

नारियल का तेल

नारियल का तेल मसाज के लिए अच्छा ऑप्शन है। इस सिर की मालिश करने से दर्द में आराम मि सकता है।

अजवाइन

अजवाइन में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते है अजवाइन को आप ताजे पानी में उबालकर उस पा को पी सकते हैं या फिर अजवाइन के तेल की मालि कर सकते हैं। ये नुस्खे प्रयोग करने से पहले एक ब अपने डॉक्टर से परामर्श जरूर कर लें।

क्षेत्रीय दर्शकों के लिए 200 से अधिक लोकप्रिय डब शो और फिल्मों के साथ अमेज़ॅन मिनीटीवी ने तमिल और तेलुगु भाषा कंटेंट में प्रवेश किया

मुंबई। अमेज़ॅन मिनीटीवी - अमेज़ॅन की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा जो अपनी विविध और समृद्ध ओरिजिनल और डब कंटेंट के लिए जानी जाती है, अपनी नवीनतम घोषणा के साथ व्यापक दर्शकों के लिए रोमांचक समाचार प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अपनी पहुंच को बढ़ाते हुए, स्ट्रीमिंग सेवा ने तमिल और तेलुगु भाषाओं में डब किए गए 200 से अधिक शो और फिल्मों का एक व्यापक गुलदस्ता पेश किया है।डब किए गए शीर्षकों की रोमांचक लाइन-अप में मिनीटीवी के मार्की और प्रशंसक-पसंदीदा हिंदी ओरिजिनल जैसे की हंटर- टूटेगा नहीं तोडेगा, फिजिक्स वाला, एक्शन से भरपूर देशभक्ति श्रृंखला रक्षक- इंडियाज़ ब्रेव्स, एक युवा रोमांस श्रृंखला हाईवे लव, और अन्य शामिल हैं। इसके अलावा, दर्शकों को तमिल और तेलुगु में डब की गई हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर फिल्मों के एक संग्रह का भी आनंद उठाएंगे, जिसमें ट्वाइलाइट, नाउ यू सी मी, हंगर गेम्स सीरीज़, स्टेप अप फ्रैंचाइज़ी, रेड और अन्य जैसी सदाबहार क्लासिक्स शामिल हैं। एक अधिक समग्र कंटेंट की प्रस्तुति की खोज में, सेवा अपने ग्राहकों के लिए तमिल और तेलुगु भाषाओं में डब किए गए कोरियाई, तुर्की और मैन्डरिन शो भी पेश करेगी। अमेज़ॅन मिनीटीवी के कंटेंट हेड, अमोघ दुसाद ने साझा किया, अमेज़ॅन मिनीटीवी पर, हमारा लक्ष्य है अपने दर्शकों को व्यक्तिगत और गहन देखने का अनुभव प्रदान करना। हम अपने दर्शकों की विविध पसंदों को पूरा करने का लक्ष्य रखते है और यह सुनिश्चित करते हैं कि हर कोई अपनी पसंदीदा भाषा में अपने पसंदीदा शो और फिल्मों का आनंद ले पाए। हम निश्चित है कि दर्शक विभिन्न शैलियों में मूल और डब की गई सामग्री की हमारी विस्तृत लाइब्रेरी के साथ मजबूती से जुड़ सकेंगे।हम उन भाषाओं का विस्तार करने के लिए उत्साहित हैं जिनमें मिनीटीवी पर ग्राहक लोकप्रिय शो और फिल्मों का

आनंद ले सकेंगे, जिससे उनका स्ट्रीमिंग अनुभव और समृद्ध होगा। यह पहल एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और हमारे क्षेत्रीय दर्शकों की पसंद को पूरा करने के लिए हमारे समर्पण को प्रतिबिंबित करता है। इस प्रयास से हमें नए विज्ञापनकर्ताओं के साथ जुड़ने का भी मौका मिलेगा, और हम साथ मिलकर साझेदारियाँ बनाने के लिए उत्साहित हैं,÷, अमेज़ॅन मिनीटीवी की निदेशक और बिजनेस हेड अरुणा दरयानानी ने साझा किया। क्षेत्रीय डब शो विशेष रूप से अमेज़ॅन मिनीटीवी पर अमेज़ॅन शॉपिंग ऐप के साथ प्राइम वीडियो, फायर टीवी, स्मार्ट टीवी पर मुफ्त में स्ट्रीम होंगे या प्ले स्टोर से ऐप डाउनलोड करें।

चुनाव बाद ही मरीजों को मिल पाएगी नए माड्यूलर ओटी की सौगात

पूरा हुआ निर्माण कार्य, मशीनें आना बाकी

इन्दौर। *शहर में शासकीय कार्यों के निर्माण कार्य की गति इतनी धीमी है कि यह जो भी दावे निर्माण पुरा होने के करते हैं, उसमें हमेशा विफल हो जाते हैं। शासकीय अस्पतालों में होने वाले निर्माण कार्य भी वर्षो तक पुरे नहीं हो पा रहे हैं।*

एमवाय अस्पताल में करीब दो वर्षो से नए माड्यूलर आपरेशन थिएटर का निर्माण कार्य चल रहा है। लेकिन अभी तक इसी सुविधा मरीजों को मिलना शुरू नहीं हो पाई है। जबकि इसे छह माह में शुरू करने की बात जिम्मेदारों द्वारा की जा रही थी। अब इसकी सौंगात मरीजों को लोकसभा चुनाव के बाद ही मिल पाएगी। वर्तमान में इसका निर्माण कार्य तो पुरा हो गया है, लेकिन अभी मशीने आना बाकि है। इसका निर्माण कार्य कर एजेंसी पीआइयू ने इसे कालेज प्रबंधन को सौंप दिया है। लेकिन इसकी लेटलतीफी देखकर लगता है कि चुनाव के बाद ही राजनेता के हाथों उद्घाटन करवाकर इसे शुरू करवाया जाएगा। पीआइयू विभाग के राजेश मकवाना ने बताया कि हमने ओटी का निर्माण कार्य पुरा कर दिया है। बता दें कि इनमें आठ मेजर और एक माइनर ओटी होगा। करीब सात करोड़ रुपये की लागत से इन्हें तैयार किया जा रहा है। अभी बर्न यूनिट मिलाकर कुल 15 ओटी हैं। ये नए माड्यूलर आपरेशन थिएटर बनने से ओटी की संख्या बढ़ जाएगी। जिससे मरीजों को सुविधाएं मिलने लगेगी।

विभागवार होगा ओटी का आवंटन

गायनिक विभाग एमटीएच महिला अस्पताल के शिफ्ट होने पर यहां माड्यूलर ओटी बनाने की योजना बनाई थी। इसके साथ ही यहां 30 बेड का आईसीयू भी बनाया जा रहा है। विभागवार इन ओटी का आवंटन होगा। बताया जा रहा है कि यहां इलेक्टिव सर्जरी होगी। बता दें कि एमवाय अस्पताल में हर वर्ष एक लाख से अधिक आपरेशन होते हैं। यहां बनाए जा रहे सभी ओटी उन्नत किस्म के हैं। यहां मेटल व ग्लास सीलिंग का इस्तेमाल हुआ है। ओटी में वाटर प्रूफिंग करवाई गई है, ताकि किसी तरह के सीपेज की दिक्कतें नहीं हो। एमवाय अस्पताल में संभागभर के मरीज उपचार के लिए आते हैं।

निगम आयुक्त ने खुले स्थानों से 126 डंपर सीएंडडी वेस्ट साफ कराया

इन्दौर। सफाई का स्तर पिछले कई माह बिगड़ चुका है। शहर मुख्य सड़कें ही साफ दिखाई देती हैं, जबकि खुले स्थान, प्लॉट, ग्रीन बेल्ट सहित अन्य स्थानों पर कचरा फैला होने के साथ बड़ी मात्र में बिल्डिंग निर्माण सामग्री दिखाई देती थी, शहर के कई मैदानों पर सी एंड डी वेस्ट पड़ा रहा है, जिसको साफ करने के लिए निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा पहल की गई और उन्होंने सप्ताह में दो दिन शनिवार और रविवार को सी एंड डी वेस्ट सफाई के लिए निर्देश दिए थे। इसके बाद रविवार को 126 डंपर और 50 ट्रॉली वेस्ट 38 जेसीबी 40 डंपर 19 ट्रैक्टर ट्रॉली से उठाया गया। आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया शहर की स्वच्छता को ध्यान में रखते वह अभियान शुरू किया है। शहर में निरीक्षण के दौरान पाया कि खुले स्थानों पर बड़ी संख्या में वेस्ट फैला हुआ है, इसलिए भवन अनुज्ञा शाखा की समीक्षा बैठक के दौरान सभी झोनल अधिकारी, भवन अधिकारी एवं भवन निरीक्षक को अपने-अपने झोन क्षेत्र में प्रति रविवार को अभियान चलाकर सी एंड डी वेस्ट हटाने के संबंध में निर्देश दिए गए थे, जिनमें रिंग रोड वेलोसिटी के पास स्थित मैदान, टेलीफोन नगर, बॉम्बे हॉस्पिटल सर्विस रोड, बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा, महालक्ष्मी नगर मैन रोड, उषा नगर, चंदन नगर, हुजूरगंज, कान्यकुंज नगर, दुर्गा नगर, लदुर बाग, अखंड नगर, बोहरा मस्जिद के पास, पाटनीपुरा सब्जी मंडी के पास, रिंग रोड सर्विस रोड, हर्ष नगर, सेक्टर 91, रेस कोर्स रोड, सिल्वर पार्क कॉलोनी, टीवीएस शोरूम, मानसिक चिकित्सालय से दीपमाला चौराहा तक, एमआर 10 विजयनगर, मल्हार गार्डन के आसपास, स्नेहलतागंज बैंक ऑफ बड़ौदा की लाइन, मालवा मिल मुक्तिधाम, न्यू सियागंज पत्थर गोदाम रोड, शिवाजी मार्केट, यशवंत निवास रोड, छोटा बागड़दा मेन रोड से वेस्ट साफ किया गया है।

62 लाख की धोखाधड़ी का फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। निचली अदालत और हाइ कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद जैन ग्रुप के सदस्यों के साथ दुबई ले जाने के नाम पर 62 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले फरार ट्रेवल एजेंट पर पुलिस ने दो हजार का इनाम घोषित किया था। वो 85 दिन से फरार था। पुलिस उसकी तलाश में इंदौर, उज्जैन, महेश्वर, बड़वानी सहित कई शहरों में छापे मार रही थी। आखिरकार उसे विजय नगर स्थित एक होटल से पुलिस ने पकड़ ही लिया। बता दें कि टूर एंड ट्रैवल संचालक महेंद्रसिंह मंड दुबई टूर के नाम पर 166 यात्रियों से 62 लाख रुपयों की ठगी कर फरार हो चुका था पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर दो हजार का इनाम भी घोषित किया था। एडिशनल डीसीपी जोन-4 आनंद कुमार यादव के अनुसार ट्रैवल एजेंट राजीव जैन तिलक नगर की शिकायत पर जनवरी में अमृत टूर एंड ट्रैवल के संचालक महेंद्रसिंह निवासी अन्नपूर्णा के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया था। राजीव ने 166 यात्रियों के लिए दुबई का टूर महेन्द्र सिंह से बुक करवा एडवांस भी दिया था। वह रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से ही फरार चल रहा था परिजनों ने पुलिस को उसकी गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। धोखाधड़ी की एफआइआर दर्ज की। जोन-4 के डीसीपी ने उसकी गिरफ्तारी पर दो हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। जानकारी मिलने के बाद उसे विजय नगर की एक होटल से पकड़ लिया गया है फिलहाल उससे मामले में पूछताछ की जा रही है।

नैक के दौरे को लेकर यूनिवर्सिटी में नया कुछ नहीं, लेकिन तैयारी तेज

इंदौर। नेशनल असेस्मेंट एंड एकेरडिटेशन काउंसिल (नैक) के होने वाले निरीक्षक को लेकर देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने कोई नई तैयारी नहीं की है। हालांकि यूनिवर्सिटी ने नेक के निरीक्षण को लेकर तैयारियां तेज कर दी है। यह भी बताया जा रहा है कि यूनिवर्सिटी अपने पुराने तरीके पर ही काम करेगी। यूनिवर्सिटी वर्तमान में स्व-अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने के लिए सभी यूनिवर्सिटी शिक्षण विभागों से डेटा एकत्र करने पर काम कर रहा है। बताया यह भी जा रहा है कि पिछले बार नेक ने जिन बिंदुओं और विषयों को लेकर ग्रेड दी थी यूनिवर्सिटी उन बिंदुओं पर कार्य नहीं कर सकी है। इससे यूनिवर्सिटी को नुकसान पहुंचाने की भी संभावना है। डीएवीवी, आइक्यूएसी निदेशक प्रो. प्रतोष बंसल ने बताया

कि आगामी नैक मूल्यांकन की रणनीति बनाने के लिए आइक्यूएसी की बैठक हुई। टीम 10 जून तक एसएसआर का पहला संस्करण तैयार करने की भी योजना विवि बना रही है। रिपोर्ट की जांच आइक्यूएसी करेगी। इसके बाद यदि कोई सुझाव, सुधार या डेटा जोड़ने की आवश्यकता होगी तो रिपोर्ट वापस भेज दी जाएगी प्रो. बंसल के मुताबिक विश्वविद्यालय के पास वर्तमान में नैक से ग्रेड ए की मान्यता है, जो 25 नवंबर को समाप्त हो रही है। इस बार विवि ने रैंक बड़ाने के साथ नेक के नए नियमों के तहत प्रतियोगिता में उतरने से अपने पैर पीछे कर लिए है। इसका मुख्य कारण यह है कि पिछली बार नेक ने जिन शर्तों पर डीएवीवी को ग्रेड दी थी। उन विषयों पर ही कुलपति काम नही कर पाई है। ऐसे में यह बड़ा नुकसान हो सकता है। कई प्राइवेट यूनिवर्सिटी ने पहले ही अपने पैर पसार लिए है। ऐसे इस तरह की लापरवाही विश्वविद्यालय को महंगी पड़ सकती है। हजारों छात्र डीएवीवी में पढ़ाई के लिए उत्सुक दिखाई देते हैं। ऐसे ने उनका भी मनोबल इसके कारण टूटेगा।

दुबई टूर के नाम पर 62 लाख का गबन करने वाला पकड़ाया

इंदौर। दुबई टूर के नाम पर 166 यात्रियों से 62 लाख रुपये ठगने वाला टूर एंड ट्रैवल संचालक महेंद्रसिंह मंड को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित विजय नगर स्थित ओयो होटल में छुपा हुआ था। उसकी गिरफ्तारी पर इनाम घोषित हो चुका था और पुलिस चार माह से इंदौर, उज्जैन, महेश्वर, बड़वानी सहित अलग-अलग शहरों में छापे मार रही थी। एडिशनल डीसीपी जोन-4 आनंद कुमार यादव के मुताबिक, ट्रैवल एजेंट राजीव जैन (तिलक नगर) की शिकायत पर जनवरी में अमृत टूर एंड ट्रैवल के संचालक महेंद्रसिंह पुत्र दिलीपसिंह मंड निवासी अन्नपूर्णा के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया था। राजीव जैन ने 166 यात्रियों के लिए दुबई का टूर बुक करवाया था। प्रति व्यक्ति 80 हजार रुपये की बुकिंग हुई थी। इसमें आना-जाना, ठहरना, घुमना और खाना शामिल था। टिकट नहीं दिए और धमकाया भी- आरोपित ने 38 हजार रुपये प्रति व्यक्ति एडवांस रुपये ले लिए थे। दोनों में करार होने पर इंदौर, उदयपुर और अहमदाबाद के यात्रियों की ट्रिप बुक कर दी। जैसे ही टूर की तारीख नजदीक आई मंड ने दुबई एम्बेसी बंद होने का बहाना बनाया और कहा कि विजा नहीं मिल रहा है। एक महीने बाद का टूर तय हुआ लेकिन पूरे टिकट नहीं दिए। न ही दुबई में होटल मिला। आरोप है कि महेंद्र के बेटे ने जैन को धमकाया और कहा कि उसके पिता परेशान है।वह उल्टे उन्हें केस में फंसा देगा।

घोटाला उजागर होते ही गुमशुदगी दर्ज करवाई- महेंद्र मंड ने लाखों रुपये का घोटाला करने के बाद भी यात्रियों को धमकाया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)